ओढ़ चुनरियाँ लाल बैठी है दादी सजधज के भजन लिरिक्स

ओढ़ चुनरियाँ लाल,
बैठी है दादी सजधज के,
बैठी है दादी सजधज के,
बैठी है दादी सजधज के,
देखलो दादी को दरबार,
बैठी है दादी सजधज के।bd।

बिन्दिया को रंग लाल तिहारो,
आँख्या को काजल है कारो,
मुख पे है तेज अपार,
बैठी है दादी सजधज के।bd।

गालों पर है लट घुंघराली,
कानों में है झूमका बाली,
गल बिच फुलां रो हार,
बैठी है दादी सजधज के।bd।

हाथां की या मेहंदी प्यारी,
निरख रही माँ दुनियाँ सारी,
खूब सज्यो है श्रृंगार,
बैठी है दादी सजधज के।bd।

'शिव सुबोध' माँ दर पर आयो,
'अमित' तेरी महिमा गायो,
मोटी है सरकार,
बैठी है दादी सजधज के।bd।

ओढ़ चुनरियाँ लाल,
बैठी है दादी सजधज के,
बैठी है दादी सजधज के,
बैठी है दादी सजधज के,
देखलो दादी को दरबार,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बैठी है दादी सजधज के।bd।

– Singer & Upload By –
Amit Chandak
9804565144

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com